AJ-1425

M.A. (Final)

Term End Examination, 2021-22

HINDI (Paper-IV)

छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य (साहित्यिक वर्ग)

Time : 3 hours] **[Maximum Marks : 100**

नोट- *सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक उनके समक्ष अंकित हैं।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– **3×10=30**

(i) जतका दूध दही अद लेवना, जोर-जोर के दुधहा जेवना।
मोहला-खोपला-चुकिया राखिन, तउलाला जोरिन हे सब झिन।
दुहना टुकना बीच पढ़ाइन, घर-घर लेनिकलिन रौताइन।
एक जंवरिहा रहिन सबे ठीक, दौरी में फांदे के लाइक।
कोनों ढोंगी कोनो घुटरी चकरे ट्ठी दीख जस तरी।।

(ii) मोर कन्हैया ! अऊ चलदाऊ, मोर राम अऊ लक्षिमन।
मोर अभागिन के मुंह पोछत/मोर-परा-रसन-धन।।
मोर लेवाई आवा कछुरा-चार देह ला झारौं।
उर मां मसक, कसक लाजी के मैहर अपन निकारौं।।
मोर पढ़ैया मैना सूवा, दुख के मोर दवाई।।
मोर गरीबन के ओरी के रोटी-मुर्रा-लाई।
मोर अधीनिन मुखमरहिन के मेवा अउर मिठाई

(iii) बाहिर मांरवातू के गड्डा, जहं गोबर होथे इकट्ठा।
धरती ला रसा पिपाथे, बोला पीके अन्न उपजाथे।
न देखा हमर कोठार, जहं खरही के गंजे पहार।
गये हे गाड़ा बरखा, तेकर लकठा मांहवे मदरसा।।

(iv) ये जिंदगी के कौन भरोसा-चाहे रवावा तीन परोसा।
राजा हरिशचन्द्र बड़ दानी-भरिन डोम के घर पानी।
अरजुन सांही शकसीवान-मिलनी के आगू हैरान।
धरे रहिगै धनुष बान-समय हाथे बर बलवान।
तोर फेर का घमंड इस करबो-जानत हवन जम्मो मरबो।
अंइठा गोंइठा झन के मइया-तुंहर नाव के तुंही खेवइया।।

(v) कोराले के खवा-खवा रोटी हलरांवय,
टुप ले खाले राजा बेरा कह दुलरांवय।
आ कऊँआ रोटी खाले बाबू नर खावय,
रोटी मोहन भोग, दूध वोला नइ भावय,
दाईमन अइसन कह कह उनला दुलरांवय,
ठग ठग रोटी-पीठा, मोहन भोग खवावंय।।

(vi) समर-भूम में डरे सिपाही उन्खर पाछू हमरे बल हे।
हमरे बल ले प्रजातंत्र के खड़े अतक बड़ राजमहल हे।

हम असक्त परबो तो सीमा के रक्षा हो जाही निरबल।
हम असक्त परबाो तो खंडहर बन जाही जनतंत्र के महल।
अइसन बेश बेश ऊँधावे जोन उन्खर मुँहय मारो थपरा।
सजग सचेत रहो सब भाई टारौ रद्वा के सब पथरा।।

2. छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य के विकास पर प्रकाश डालिए। **8**

अथवा

छत्तीसगढ़ी कविता के क्रमिक विकास पर प्रकाश डालिए।

3. छत्तीसगढ़ की भौगोलिक संरचना का उल्लेख करते हुए छत्तीसगढ़ी भाषा का वर्गीकरण क्षेत्रीयता के आधार पर करें। **7**

अथवा

छत्तीसगढ़ी शब्द कोश में भारतीय आर्यभाषाओं, आर्येतर भाषाओं एवं विदेशी भाषाओं का किस प्रकार समावेश हुआ है? स्पष्ट करें।

4. पं. शुकलाल प्रसाद पाण्डेय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालें। **8**

अथवा

प्यारेलाल गुप्त जी का जीवन परिचय देते हुए उनकी रचनाओं के संबंध में जानकारी प्रस्तुत करें।

5. पं० द्वारिका प्रसाद तिवारी 'विप्र' का छत्तीसगढ़ी साहित्य में योगदान को स्पष्ट करते हुए, छत्तीसगढ़ी साहित्य में उनका स्थान निर्धारित कीजिए। **7**

अथवा

कपिलनाथ कश्यप जी के रचना संसार पर प्रकाश डालिए।

6. निम्नांकित में से किन्हीं <u>चार</u> पर टिप्पणी लिखिए– **4×5=20**

(i) छत्तीसगढ़ में प्रचलित प्रमुख लोक गाथाएँ।
(ii) पवन दीवान जी का छत्तीसगढ़ी साहित्य में योगदान।
(iii) डॉ० विनय पाठक जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व।
(iv) लक्ष्मण मस्तूरिहा जी एक गीतकार के रूप में।
(v) नारायणलाल परमार जी का साहित्यिक योगदान।
(vi) डॉ० नरेन्द्र देव वर्मा जी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व।

7. निम्नांकित में से किन्हीं **10 (दस)** प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **2×10=20**

(i) छत्तीसगढ़ के प्रथम महाकवि किन्हें कहा जाता है ?
(ii) लोकाक्षर पत्रिका के संपादक कौन थे ?
(iii) छत्तीसगढ़ी व्याकरण के प्रथम लेखक का नाम बताइए।
(iv) अंहिमनरानी 'केवला रानी' कैसी गाथा है ?
(v) 'फूलबासन' में किनकी गाथा का वर्णन किया गया है ?
(vi) संत धर्मदास किस पंथ पर आस्था रखते थे ?
(vii) संत घासीदास ने किस पंथ की स्थापना की थी ?
(viii) 'खुसरा चिरई के बिहाव' किसकी रचना है ?
(ix) 'बेटी की विदा' के रचनाकार का नाम लिखिए।
(x) छत्तीसगढ़ी का प्राचीनतम रूप कहाँ प्राप्त हुआ था?
(xi) छत्तीसगढ़ी में कथा लेखन का प्रारंभ किसने किया था ?
(xii) केयूर भूषण जी के छत्तीसगढ़ी उपन्यास का नाम लिखिए।
(xiii) 'मेघदूत' का छत्तीसगढ़ी में अनुवाद किसने किया है ?